



Stamp 5830/

4600 पैसे

23 रु

With permission of Clerk.

Subject to...

12/9/01

1168 = 44

4760 = 100

1120 = 200

5830 = 200

fee fair

1120 = 00

45 = 00

2 = 50

0 = 94

सही इतिहास मुद्रा का... 25000 रु

नगरपालिका मुद्रा का... 2000 रु

लेखा मुद्रा यह के माता किराया

सा: व्यापार नवा का किराया

रेखा दिया 1924/10-2000

1. लेखक/धारी - श्री उतियाजर मुण्डा पिता रुवो संतोष मुण्डा माता मुण्डा पेशा कौन निवास गांव सलडेगा धाना वी जिला सिन्डेगा - बिन्डेगा - स.प.स. 343/2001

2. लेखक/धारी - श्री अमृत नारायण गागराई पिता श्री श्री धोनी गागराई माता श्री मुण्डा पेशा रवेती वी नौकरी निवास गांव सलडेगा धाना वी जिला सिन्डेगा - बिन्डेगा - भारतीय नगरपालिका - स.प.स. 344/2001

मुद्रा - लेखक/धारी - पिता - रुवो

माता - मुण्डा - पेशा - कौन

नवा - वी - जिला - सिन्डेगा

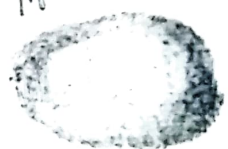
12-9-2001





माला नौ ०=० इ परमा प्रलापे शेष  
 मां ह्योः ३० नौ ३० नग्न बालिका उप पक्ष  
 पुं ५० नौ ३० बिक्रैता  
 मुते प्रलापे कलकत्ता वी जिला रजिस्ट्रार  
 मी ० रिमैगा वाना वी जिला रिमैगा।  
 क्वा जिघात जौन लैरुम करी के दरबल  
 कठती का है। किनी दुनरी की इससे कोई  
 मनेरी कर नहीं है। वरते मवात वतने वी  
 कई दिगार धरे लु रनार्थ के लिपे रुपये  
 की मनेरी हुई वी वित्त गत्रोत बेचे इस  
 वकत रुपया मिलने की जोर दुनरी उपाय

इतिमात्र मुद्रा वाः  
 बालिका  
 १९१७





नहीं है। इसलिये मैंने उपर्युक्त लिख-  
 का प्रपत्र जो मौरव विद्वानों के बीला प्रारं-  
 भित्त मालिका शिवाकार किया। उपर्युक्त लिख-  
 -कारी जो कालम संस्था दो में है प्रारं-  
 भी प्रारंभिक हीं ही पुत्र-पुत्रादिक विज्ञान  
 मौरव पर दरबान कार हीकर वी रहकर-  
 मौरव प्रारंभिक मौरव वी मौरव दिनादि  
 प्रपत्र इन्तजाम सिं लावै वी निर्धारित  
 माल गुजारी प्रलावे शीष देकर प्रपत्रे माल  
 मौरव संत सरकार मौरव प्रारंभिक प्रधि-  
 -कारी मौरव सिं मौरव के कार्यालय से दा-  
 -रिबल शिवाकार कर मौरव शिवाकार मौरव

इति मौरव प्रारंभिक  
 मौरव प्रारंभिक  
 मौरव प्रारंभिक





हर काम लिखा है। जब लैरम सारी  
 मम ऊपर लिखारी को सैम बिक्रीत  
 तमोन से किसी-किसीन का एक दवा  
 या सरीका नहीं रहा और न आइसो  
 कभी होगा। इसलिसे मैंने अपना सुशी  
 नी शरीर और मन को स-ब-स-सता कर  
 कर ऊपर साना संस्था धर्म बसवित्त  
 ममोन को परनिष्ठान कराकर जिसका  
 परनिष्ठान केशा नं ५१/२००१, २००२  
 अंदर दफा ६६ सी. एन. टी. अक्खे मौ-  
 प्रिमाण डी. सी. एल. अर. मीठ विनियोग  
 के अदालत से २०११/२/२००१ को

इति मम र सुकवाः  
 बाबर रका  
 १९११/१२००१





उपदेश दुग्गा है जो उपर्युक्त लक्षण धारण  
 के साथ ही २५०००० रु. का दायता कर  
 दिया जाए किन्तु जो गणित को कुल  
 उपस्थित कर इतना प्रति कर दिया के  
 प्रकारा रहे। दोनों परीकों के कड़े-  
 मीता विक्रम परा के बालो निरवा।  
 तिबः बाबर रवां उड रईर लाठ  
 ०२ २६/६ शुभ सलडेगा धारा वीरिंको  
 सिनडेगा। ताठ १२/६ २००१  
 में घोषित करता हुं कि किंकोत गणित  
 वी धारित गणित शिलिंग के उपंतर्गत  
 नही प्रता है। इतिगणित  
 १२/६ २००१  
 में घोषित करता हुं कि अनसिदगी

इतिगणित गणित वीः  
 बाबर रवां  
 १२/६ २००१



जेणे वही आविर मही न मिलिं मके  
 उपलगत नही जाता है  
 अथवा वास्तव ॥ वास्तविक ॥ ७.१.२००१  
 इतके पर ४५० शब्द प्रकित है -  
 कौई वचन नही की नव-शा -  
 सहित है। मुल दस्त-नामक सब -  
 द्वितीयक-प्रति-सक दुसरे को दुब-दु-पौर  
 सही प्रकित है।

इतिमाकर मुद्रा वा.  
 वास्तविक  
 १२।१।२००१



इतिमाकर मुद्रा  
 वा. वास्तविक १२।१।२००१